

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०११ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था - सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी - सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २०११

समय : सुबह ९.०० से १२.००

कुल गुणांक : १००



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत कीजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

दिनांक महीना वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

- मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
- बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
- दायीं ओर दिए गए अंक प्रद्वन के गुण दर्शाते हैं ।
- सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
- मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।
- परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखे गए उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
- परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गिनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
- परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	

विभाग-३, कुल गुण

परीक्षक के हस्ताक्षर

मोडरेशन विभाग भाटे ५

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (९)

१. "तुम्हारे चमत्कार तो हमें आज ही मालूम हुआ ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

२. "देखो, वह भी हिलती है, उसे भी खींच निकालो ।"

३. "में आपकी सेवा में उपस्थित हो जाऊँगा ।"

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (४)

१. मीन सरोवर में घनश्याम को क्यों कोई नहीं पकड़ पाता था ?

२. हनुमानगढ़ी में किस की कथा चलती थी ?

३. छपिया गाँव का अगुआ कौन था ?

४. खांपा (खरोच) तलैया के पास गायेँ किस को घेरकर खड़ी हो गई ?

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों को मार :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे तब एक बन्दर रोटियाँ झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों को मार :- अयोध्या में घनश्याम बरामदे में भोजन कर रहे थे तब एक बन्दर पूड़ी झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

१. मछलियों को जीवित किया : बल्लमपढरी में यमराज ने मछुआरे को स्वर्ग के सुख दिखाएँ और देवदूतों के पास दूधपाक खिलाया ।

उ.

२. चिड़ियों को समाधि : इच्छाराम गेंद को घुमाते-खेलते थोड़ी ही देर में जंगल में पहुँच गए । एक पीपल के पेड़ पर चढ़कर जब उन्होंने जंगल की ओर देखा तो वहाँ लाखों कबूतर उड़ रहे थे ।

३. सोलह चिह्न : घनश्याम ने रायदर्शनसिंह राजा को बायेँ पैर में नव चिह्न के दर्शन करवाये ।

४. घनश्याम को जनेऊ दिया : पुरुषोत्तम उपाध्याय के दिये हुए मुहूर्त के अनुसार घनश्याम ने बल्लमपढरी में जनेऊ लिया ।

प्र. ४ 'घनश्याम का जन्म' - प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।

(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।)

(५)

१.

२.

३.

४.

५.

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. हिंसा बन्द करवाई

(१) बलदीधर, मुरलीगंगाधर ।

(२) भागो, भागो शेर आया ।

(३) घनश्याम ने अपनी शक्ति से पीपल का पेड़ हिलाने लगे । (४) में कभी भी शराब पिऊँगा नहीं ।

२. अन्धे को आँखें दी

(१) छोकरे ! तू क्या मुझे उपदेश देता है ?

(२) पुजारी को पूरी रामायण और पूरा महाभारत कण्ठस्थ था ।

(३) घनश्याम ने ब्रजविहारी को आशीर्वाद दिया ।

(४) सबको घनश्याम में भगवान रामचन्द्र के दर्शन हुए ।

३. चोर चिपक गए

(१) रात को दो चोर आम तोड़ने आम के पेड़ पर चढ़ गए ।

(२) रामप्रतापभाई लाठी लेकर चोरों को मारने दौड़े ।

(३) चोर आम के साथ चिपक गए ।

(४) चोरी करना महापाप है ।

४. खांपा तलैया

(१) 'मुझे तो कहीं भी चोट नहीं लगी है' घनश्याम ने कहा ।

(२) अश्विनीकुमार ने दवाई लगाई और पट्टी बाँध दी ।

(३) इच्छाराम ने आवाज़ देकर बकरियों को बुलाया ।

(४) बायें पैर की जाँघ में खरोंच लग गई ।

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (६)

१. घर्मपिता को घनश्याम उदास दिखाई दिये ।

.....
.....
.....
.....

२. अमराई में भयंकर बवण्डर एवं बरसात की बौछारें शुरू हुई ।

३. सुवासिनी भाभी ने घनश्याम को कमरे में बन्द कर दिया ।

विभाग - २ : योगीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (९)

१. "आईन्दा ऐसी बात आप कृपया करके किसीसे न कहिएगा ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....

२. "योगीजी महाराज का सम्मान तो समस्त मानवजाति के समुद्धारक का सम्मान है ।"

३. "तू खेलता नहीं है ?"

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में)

(६)

१. छोटी-सी छोटी सेवा में अपने आपको लगा दें ।

.....
.....
.....

२. करसनसंग बापू ने योगीजी महाराज को किसी युवान साधु को साथ रखने को कहा ।

३. कुबेरभाई योगीजी महाराज को साथ लेकर भावनगर गए ।

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए ।

(४)

१. मूलजी के साथ साथ कौन दूध पीएँगा ?

.....
.....

२. गंगा माँ को स्वप्न में किसने दर्शन दिए ?

३. बालमण्डल में से घर की ओर लौटने से पहले क्या करना चाहिए ?

४. पापी मनुष्यों कैसे सुधर सकते हैं ?

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।

(८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. वीर भगुजी

(१) श्रीजीमहाराज के निजी सेवकों-पार्षदों में भगुजी नामक एक पार्षद थे ।

(२) मुक्तानन्द स्वामी भगुजी की रक्षा में थे ।

(३) भावनगर के वखतसिंह बापू ने भगुजी की प्रशंसा की ।

(४) खबड और मतारा ने भगुजी के सामने युद्ध किया ।

२. पूँजा डोडिया

(१) पूँजा डोडिया महाराज को ताजा दूध पिलाता था ।

(२) अपनी लड़की को सांख्यवती बना दी ।

(३) वो सोढी गाँव का था ।

(४) महाराज के तेरहवें दिन को वे धाम पधारे ।

३. आरती

(१) मांगरोल में आरती की रचना हुई ।

(२) मुक्तानन्द स्वामी को रामानन्द स्वामी के दर्शन हुए ।

(३) मुक्तानन्द स्वामी ने श्रीजीमहाराज को फूलमाला पहनाई ।

(४) मुक्तानन्द स्वामीने रामानन्द स्वामी को प्रणाम किया और उसकी आज्ञा को शिरोधार्य किया ।

४. अक्षरब्रह्म गुणातीतानन्द स्वामी

(१) अपनी माता से दूध माँगा ।

(२) ये हमारे जूनागढ़ के महन्त ।

(३) उन्होंने पानी पिया, महाराज की प्यास बुझी ।

(४) यहाँ ब्रह्मतेज सूख गया है ।

